Hindi

अंक - ५०

MANDVI

समय - १½ घंटा

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ

१. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

२. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें।

३. आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना है ।

४. व्याकरण विभाग तथा रचना विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

(१) गद्य विभाग - अंक १६

कृति १(अ) परिच्छेद पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- (०८)

आँखों के आगे अन्नू की भोली-सी नन्ही-सी, तस्वीर घूम गई। तो क्या अब अन्नू सचमुच ही संसार में नहीं है? यह सब कैसे हो गया? मैंने साहस करके भाई साहब का पत्र उठाया। लिखा था -

प्रिय सयानी,

समझ में नहीं आता, किस प्रकार तुम्हें यह पत्र लिखूँ। किस मुँह से तुम्हें यह दुखद समाचार सुनाऊँ। फिर भी रानी, तुम इस चोट को धैर्यपूर्वक सह लेना। जीवन में दुख की घड़ियाँ भी आती हैं, और उन्हें साहसपूर्वक सहने में ही जीवन की महानता है। यह संसार नश्वर है। जो बना है वह एक-न-एक दिन मिटेगा ही, शायद इस तथ्य को सामने रखकर हमारे यहाँ कहा है कि संसार की माया से मोह रखना दुख का मूल है। तुम्हारी इतनी हिदायतों के और अपनी सारी सतर्कता के बावजूद मैं उसे नहीं बचा सका, इसे अपने दुर्भाग्य के अतिरिक्त और क्या कहूँ! यह सब कुछ मेरे ही हाथों होना था ... आँसू-भरी आँखों के कारण शब्दों का रूप अस्पष्ट से अस्पष्टतर होता जा रहा था और मेरे हाथ काँप रहे थे। अपने जीवन में यह पहला अवसर था, जब मैं इस प्रकार किसी की मृत्यु का समाचार पढ़ रही थी। मेरी आँखें शब्दों को पार करती हुई जल्दी-जल्दी पत्र के अंतिम हिस्से पर जा पड़ी -- 'धैर्य रखना मेरी रानी, जो कुछ हुआ उसे सहने की और भूलने की कोशिश करना। कल चार बजे तुम्हारे पचास रुपए वाले सेट के दोनों प्याले मेरे हाथ से गिरकर टूट गए। अन्नू अच्छी है। शीघ्र ही हम लोग रवाना होने वाले हैं।

एक मिनट तक मैं हतबुद्धि-सी खड़ी रही, समझ ही नहीं पाई यह क्या-से-क्या हो गया। यह दूसरा सदमा था। ज्यों ही कुछ समझी, मैं जोर से हँस पड़ी। किस प्रकार मैंने बुआ जी को सत्य से अवगत कराया, वह सब मैं कोशिश करके भी नहीं लिख सकूँगी। पर वास्तविकता जानकर बुआ जी भी रोते-रोते हँस पड़ीं। पाँच आने की सुराही तोड़ देने पर नौकर को बुरी तरह पीटने वाली बुआ जी पचास रुपएवाले सेट के प्याले टूट जाने पर भी हँस रही थीं, दिल खोलकर हँस रही थीं, मानो उन्हें स्वर्ग की निधि मिल गई हो।

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

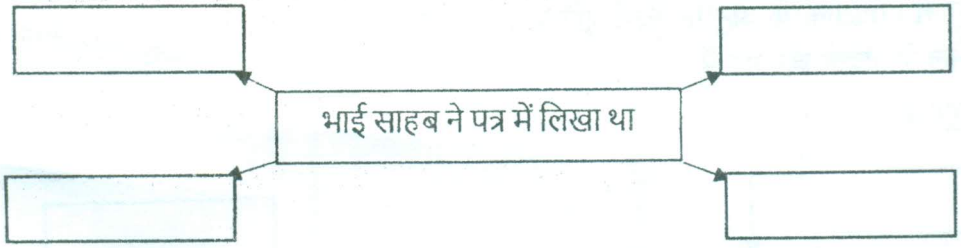

(२) विधानों के सामने सत्य या असत्य लिखिए :- (०२)

i) वास्तविकता जानकर बुआ जी हँसते-हँसते रो पड़ी ।

ii) शीघ्र ही हम लोग रवाना होने वाले हैं।
iii) जो बना है वह सदा रहेगा।
iv) किस मुँह से तुम्हें यह दुखद समाचार सुनाऊ।

(३) शब्द संपदा :- (०१)

- निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए:-
१. सदमा २. नश्वर।

- निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्दों को वाक्य में प्रयोग कीजिए :- (०१)
१. संसार २. धैर्य।

(४) नारीत्व विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए :- (०२)

कृति १(आ) परिच्छेद पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- (०८)

सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति के बाद शनि ग्रह की कक्षा है। शनि सौरमंडल का दूसरा बड़ा ग्रह है। यह हमारी पृथ्वी से करीब 750 गुना बड़ा है। शनि के गोले का व्यास 116 हज़ार किलोमीटर है; अर्थात्, पृथ्वी के व्यास से करीब नौ गुना अधिक।

सूर्य से शनिग्रह की औसत दूरी 143 करोड़ किलोमीटर है। यह ग्रह प्रति सेकंड 9.6 किलोमीटर की औसत गति से करीब 30 वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है। अत: 90 साल का कोई बूढ़ा आदमी यदि शनि ग्रह पर पहुँचेगा, तो उस ग्रह के अनुसार उसकी उम्र होगी सिर्फ तीन साल !

हमारी पृथ्वी सूर्य से करीब 15 करोड़ किलोमीटर दूर है। तुलना में शनि ग्रह दस गुना अधिक दूर है। इसे दूरबीन के बिना कोरी आँखों से भी आकाश में पहचाना जा सकता है। पुराने ज़माने के लोगों ने इस पीले चमकीले ग्रह को पहचान लिया था। प्राचीन काल के ज्योतिषियों को सूर्य, चंद्र और काल्पनिक राहु-केतु के अलावा जिन पाँच ग्रहों का ज्ञान था उनमें शनि सबसे अधिक दूर था।

शनि को 'शनैश्वर' भी कहते हैं। आकाश के गोल पर यह ग्रह बहुत धीमी गति से चलता दिखाई देता है, इसीलिए प्राचीन काल के लोगों ने इसे 'शनै:चर नाम' दिया था। 'शनै:चर' का अर्थ होता है - धीमी गति से चलने वाला।

लेकिन बाद के लोगों ने इस शनैश्चर को 'सनीचर' बना डाला ! सनीचर का नाम लेते ही अंधविश्वासियों की रूह काँपने लगती है। फलित-ज्योतिषियों की पोथियों में इस ग्रह को इतना अशुभ माना गया है कि जिस राशि में इसका निवास होता है उसके आगे और पीछे की राशियों को भी यह छेड़ता है। एक बार यदि यह ग्रह किसी की राशि में पहुँच जाए तो फिर साढ़े सात साल तक उसकी खैर नहीं !

हमारी पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि महाराज सूर्य के पुत्र हैं। भैंसा इनका वाहन है। पाश्चात्य ज्योतिष में शनि को सैटर्न कहते हैं। यूनानी आख्यानों के अनुसार सैटर्न जूपिटर के पिता हैं। रोमन लोग सैटर्न को कृषि का देवता मानते थे। हमारे देश में शनि महाराज तेल के देवता बन गए हैं !

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

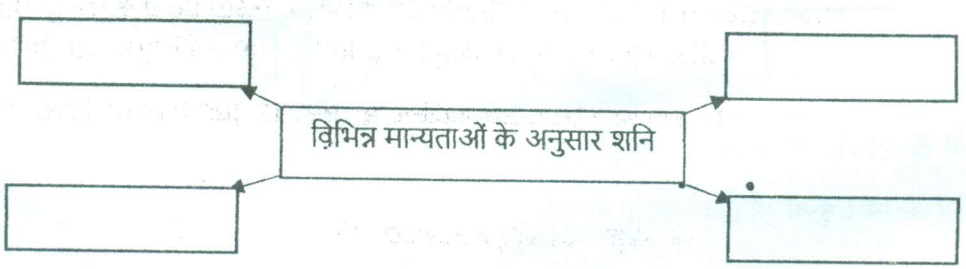

(२) कोष्ठक में से सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए:- (०२)

i) शनि सौर मंडल का _____ बड़ा ग्रह है । (पहला/दूसरा/ तीसरा)
ii) सूर्य से शनि ग्रह की औसत दूरी _____ करोड़ किलोमीटर है । (१४३/१४५/१४७)
iii) हमारी पृथ्वी सूर्य से करीब _____ किलोमीटर दूर है । (१५ लाख/ १.५ करोड़/ १५ करोड़)
iv) पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि महाराज _____ के पुत्र है । (सूर्य/इंद्र/वृहस्पति)

(३) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में प्रयुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए :- (०२)

i)विस्तार ii) साधारण iii)आत्मा iv) वृत्तांत ।

(४) 'सौरमंडल' विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए । (०२)

(०२) पद्य विभाग - अंक १२

कृति २(अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतिया पूर्ण कीजिए । (०६)

है कान की शोभा श्रवण से, कुंडलों से है नहीं ।
है दान ही शोभा हाथ की, वह कंगनों से है नहीं ।।
मुख की है शोभा प्रिय बचनों से, चंदन से नहीं ।
शोभा बदन की सत्य से है, भोग से बिलकुल नहीं ।।1।।

मत मित्र कर लो मूर्ख को, वह भ्रष्ट कर देगा तुम्हें ।
अपमान होगा हर घड़ी फिर नष्ट कर देगा तुम्हें ।।
उससे भला ही शत्रु हो, पर सद्गुणी विद्वान ही ।
सीखो उसी का ज्ञान, फिर न व्यर्थ जावे जान ही ।।2।।

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

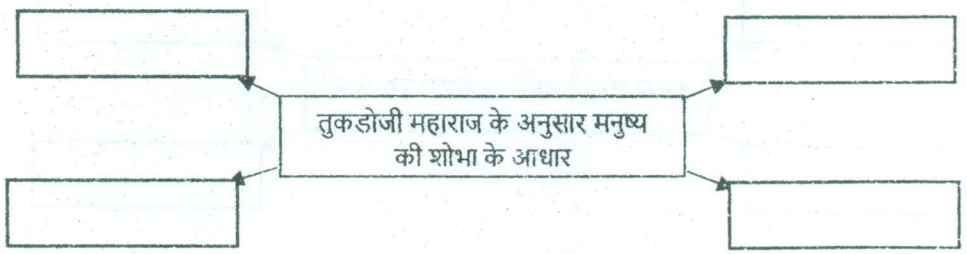

(२) निम्नलिखित शब्द समूहों के अर्थ वाले शभ पद्यांश से खोजकर लिखिए :-(०२)

i) वह काम या बात जिससे किसी की इज्जत या प्रतिष्ठा काम हो - [ ]
ii) जिसने अध्ययन द्वारा विद्या का अर्जन किया हो - [ ]
iii) निति पथ से गिरा हुआ और निंदनीय - [ ]
iv) वह जो सब बातों में सहायक और शुभचिंतक हो - [ ]

(३) उपयुक्त पद्यांश का भावार्थ ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए । (०२)

(आ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतिया पूर्ण कीजिए। (०६)

वह तोड़ती पत्थर ।
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर ।
कोई न छायादार
पेड़ पर वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,
श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत-मन ।
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार - बार प्रहार -
सामने तरु मालिका अट्टालिका, प्राकार ।

चढ़ रही थी धूप
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप ।
उठी झुलसाती हुई लू
रुई ज्यों जलती हुई भू
गर्द चिनगी छा गई,
प्राय: हुई दुपहर;

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

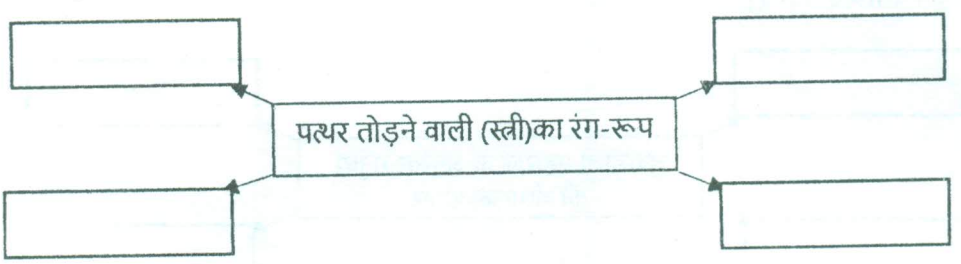

(२) आकृति पूर्ण कीजिए :-(०२)

i) मजदूरनी वहाँ बैठी थी - _____
ii) मजदूरनी के सामने ये थे - _____
iii) चढ़ती जा रही थी वह - _____
iv) दिन का यह समय था – _____

(३) उपयुक्त पद्यांश का भावार्थ ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (०२)

(३) द्रुतवाचन विभाग - अंक ०६

(अ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (०६)

मानवता की सच्ची सेविका मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त, 1910 को मक्दूनिया के एकोप्जे नामक स्थान पर हुआ। वे तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं तथा पिता एक सफल व्यापारी थे। 12 वर्ष की आयु में उन्होंने तय किया कि वे मिशनरी बनेंगी। 18 वर्ष की आयु में वे लोरेटो सिस्टर्स के लिए काम करने लगीं जो भारत में बहुत सक्रिय था।

24 मई, 1931 को उन्होंने नन के रूप में शपथ ली तथा 1948 तक कलकत्ता के सेंट मेरी स्कूल में अध्यापन करती रहीं। कलकत्ता में स्कूल आते-जाते समय वे प्रायः झोपड़पट्टियों में बसे निर्धनों की दशा देख द्रवित हो जातीं। एक बार उन्होंने मरणासन्न रोगी को देखा, जो कष्ट के कारण अंतिम साँसें भी नहीं ले पा रहा था।

मदर ने अपने अधिकारियों से अनुमति लेकर, कलकत्ता में 'मिशनरी ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। बेघर बच्चों के लिए स्कूल खोला, बीमार व्यक्तियों के लिए अस्पताल खोला और मरणासन्न रोगियों को भरपूर सेवा तथा स्नेह मिलने लगा। कई दूसरी लड़कियाँ भी सदस्या बन गईं। वे भी पूरे प्रेमभाव से निर्धन तथा असहायों की सेवा करतीं। अनाथ बच्चों के लिए भी एक संस्था खोली गई। मदर लोगों के घर-घर जाकर खाना, दवाएँ तथा कपड़े माँगती। कुछ समय बाद लोग स्वयं आकर चंदा देने लगे।

मदर के काम को विश्व स्तर पर सराहा गया क्योंकि केवल भारत में ही नहीं बल्कि एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका, पोलैंड व ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में भी मदर की संस्था अपना कार्य करने लगी। 1965 में पोप जॉन पॉल ने मदर को दूसरे देशों में अपनी सेवाएँ देने की आज्ञा दे दी।

मदर को अनेक पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए। जिनमें पोप जॉन पॉल पीस प्राइज (1971), अंतर्राष्ट्रीय शांति व सूझ-बूझ का नेहरू पुरस्कार, बाल्ज़ान पुरस्कार, नोबेल पीस प्राइज़ तथा भारतरत्न आदि शामिल हैं। उन्होंने पुरस्कारों से प्राप्त धनराशि भी निर्धनों तथा रोगियों की सेवा में ही लगा दी।

5 सितंबर, 1997 को अपने 87 वें जन्मदिन के ठीक 10वें दिन मदर चल बसी। 19 अक्टूबर, 2003 को मदर को 'ब्लैस्ड टेरेसा ऑफ कैलकटा' घोषित किया गया।

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

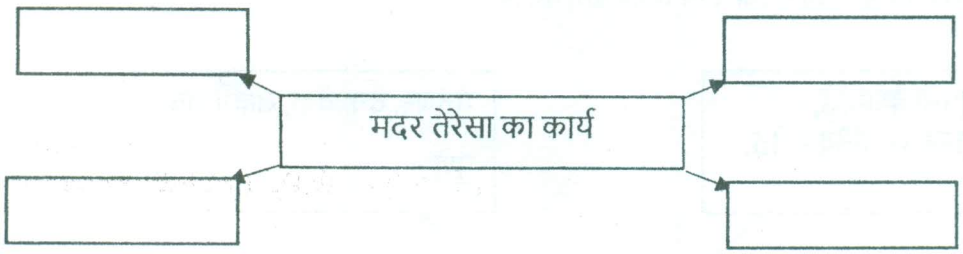

२) तालिका पूर्ण कीजिए :- (०२)

मदर तेरेसा को मिले पुरस्कार और सम्मान :-

१. _____

२. _____

३. _____

४. _____

३) मदर तेरेसा का सेवा भाव विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए :- (२)

(४) व्याकरण विभाग - अंक ११

कृति ४ (अ) निम्नलिखित वाक्यों को रचना के अनुसार भेद पहचान कर लिखिए :- (०२)

१. लोग हज़ारों पेड़ लगा रहे हैं और यह पापी उन पेड़ो को काटकर बेच देता हैं ।
२. वह शीघ्र ही इस बात का निश्चय करले कि वह अपनी शक्तियों को किस काम में लगाएगा ।

(आ) निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:- (०३)

१. सफलता दूर नहीं रहती (भविष्य काल)
२. मैं प्रार्थना करता हूँ। (अपूर्ण वर्तमानकाल)
३.भोलाराम को सजा दी जाती है ।(पूर्ण भूतकाल)

(इ) निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए :- (०२)
i) पागल ii) निष्ठुर

(इ) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए :- (०२)
i) परिचय ii) कृपा

(उ)निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :- (०२)
१. फुला न समाना २. डिंग हांकना

(५) पत्रलेखन :- (०५)

निम्नलिखित विषय पर पात्र का प्रारूप तैयार कीजिए :-

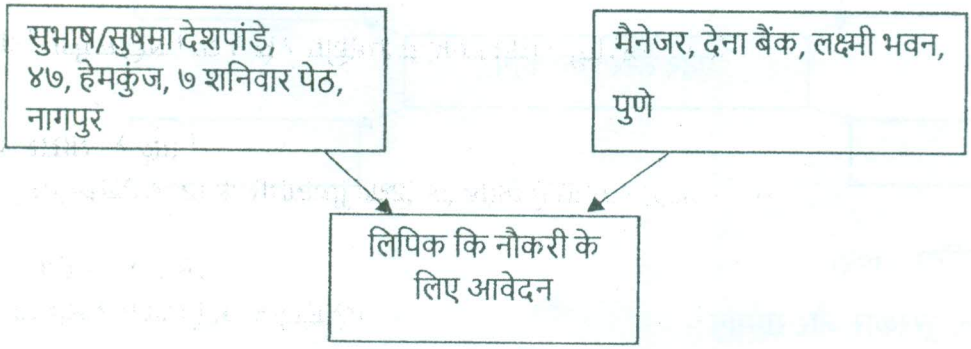

******